

## Republic Day Address by Professor Arun Kumar Grover, Vice Chancellor, Panjab University, on January 26, 2015

स्कूल के प्रिय छात्र एवं छात्राओं, उनके अध्यापक गण और अभिवावकों, सुरक्षा कर्मियों, एन सी सी और एन एस एस के सदस्यों, पंजाब विश्वविद्यालय के अन्य छात्रों एवं कर्मचारियों, मेरे अध्यापक गण साथियों, आमंत्रित अतिथियों, पंजाब विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों, जो सब हर वर्ष की तरह एक अच्छी परम्परा को निभाते हुए यहाँ उपस्थित हैं, भाइयों और बहनों, विश्वविद्यालय के कुलपति के नाते मैं आप सबको देश के छयासठवें गणतंत्र दिवस पर बधाई और शुभकामनायें देता हूँ।

एक वर्ष पूर्व आज ही के दिन मैंने यह स्मरण करवाया था कि भारत के पहले गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1950 को हमारे विश्वविद्यालय का नाम ईस्ट पंजाब यूनिवर्सिटी से बदल कर फिर से पंजाब यूनिवर्सिटी कर दिया गया था, और इस तरह स्वतंत्रता प्राप्ति के दो साल के अंतराल के बाद एक बार फिर से इसका नाता 1882 में स्थापित पंजाब विश्वविद्यालय से जुड़ गया। लाहौर में छूट गयी पंजाब यूनिवर्सिटी के इंगलिश स्पैलिंगज़ में हमारे पड़ोसी देश ने 15 अगस्त 1947 के बाद Panjab की जगह Punjab लिखना शुरू कर दिया था, इस तरह उनकी Punjab University का नाता पुरानी Panjab University से कट गया, जबकि हमारा 26 जनवरी, 1950 से नाता उससे फिर जुड़ गया। यह एक ऐसा इत्तफाक है जिसका लाभ आज हमें Internet and Google के समय में भरपूर मिला रहा है। हम अपनी Panjab University, Chandigarh को दक्षिण एशिया की सबसे पुरानी एवं विद्या से समृद्ध यूनिवर्सिटी होने का दावा कर सकते हैं। PANJAB और PUNJAB के सूक्ष्म भेद का महत्त्व इतना हो सकता है, इसका ज्ञान मुझे कुछ सप्ताह पूर्व नहीं था। प्रोफेसर रौनकी राम के सौजन्य से मैंने यह खोजा, और मुझे इससे एक अच्छा एहसास हुआ।

आज से ढाई वर्ष पूर्व जब मैंने पंजाब यूनिवर्सिटी की बागडोर संभाली थी, तो मेरे सामने कई चुनौतियाँ थी। कई वर्षों से अध्यापकों की सैंकड़ों स्थान रिक्त थे और उनकी संख्या बढ़ रही थी। गैर-शिक्षण पदों पर भी नियमित कर्मचारियों को एक लम्बे अरसे से भरा नहीं गया था। एक ही साथ शुरू की गई बहुत सी इमारतों का कार्य धीमी गति से चल रहा था। केन्द्र से मिलने वाला हमारा अनुदान एक एड-हाक आधार पर यूजीसी के योजना बजट से आता था, जिससे साल के अन्त तक अनिश्चितता बनी रहती थी। अध्यापकों की सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्नियुक्ति सिर्फ 63 वर्ष तक होने से उनका दर्जा

केन्द्र सरकार की अन्य शिक्षण संस्थाओं के अध्यापकों के मुकाबले कुछ कम हो गया था। पी.जी.आई, आई आई टी, रोपड़, आई आई एस ई आर, मोहाली, सैंटरल यूनिवर्सिटी आफ पंजाब, भठिंडा इत्यादि में इनके समकालीन 65 वर्ष तक कार्यरत रह सकते हैं, यह मेरे पंजाब यूनिवर्सिटी के साथियों को चुभता था और पूटा की यह एक सही मांग थी। विश्वविद्यालय ने कई वर्षों से अपनी आमदनी बढ़ाने का जोखिम नहीं उठाया था और सरकार के नुमायंदे हमारी वित्त परिषद् में इससे चिंतित थे। इसके अलावा और भी बहुत सारी समस्याएँ थीं।

However, you all are aware that destiny has been very kind to us. By virtue of great heritage of our institution and continuous dedicated work by our students, researchers, teachers and other employees of our University, Panjab University received good ranking amongst academic institutions in India, Asia and BRICS nations in many national and international surveys in 2013, and such a standing got reaffirmed in the year 2014 as well. All this happened in the background of our commemoration of 150 years of Higher Education in Punjab, which made many eminent alumni of PU to visit Chandigarh, and we could also entice numerous national and international icons to come to our campus. Union Government perhaps took cognizance of such positive developments, and eased up our financial situation a bit by accepting to include us in the annual non-Plan Budget of UGC/MHRD. With the cooperation of teaching faculty and the administrative employees of the University, we have been able to fill up over 200 teaching positions, carryout over 150 promotions under CAS and have appointed many Senior Officers at all levels. Non-teaching positions advertised several years ago, have also been filled up at different levels, and regularization of employees working on ad hoc basis for over a decade has also been done. The re-employment of the teaching staff stands extended to 65 years, with enhanced benefits at the intermediate stage. A new advertisement to fill up 144 more teaching positions was released and work towards it is in process and we hope to meet the target of filling them in the next financial year. Several ongoing construction projects have been completed, many existing departments have moved to new premises in Sector-25, some hostel accommodation has come up there as well, Alumni House Guest rooms and Suites have been furnished, seven new suites have also been constructed in the main Guest House, College Bhawan

Building stands completed and its accommodations are getting used up, sports facilities stand augmented and the existing auditoria have also been refurnished and re-equipped. There is thus an overall visible improvement in the infrastructure and facilities of the University. The confidence of the faculty and employees is upswing; many departments have brought in newer and higher grants from UGC and other Central agencies. DST has released the first installment of the PURSE-grant Phase II. PU has emerged as a favored institute to implement Union Government agenda of the e-Governance, to be fully funded by the UGC. DST has given a grant to create centre for Policy Research to provide academic-industry interaction, DBT has enabled the initiation of University Incubation Centre in areas of Biotechnology, and so on. UT Administration is reported to have recommended the allotment of over 140 acres of land to PU under the Master Plan. The nation and society have put lot of trust in us to move forward and meet the growing aspirations of young people. The newly recruited faculty and the University leadership have greater challenges to measure upto.

PU led idea of Chandigarh Region Innovation and Knowledge Cluster (CRIKC) has gained enough acceptance amongst all the participating institutions in and around Chandigarh. Even if our enthusiasm for such collaborations reduces, the other institutions will take advantage of CRIKC concept and move ahead. We have, therefore, no option but to explore innovative ways to meet the challenges.

Republic Day da din saडे सबदे वास्ते एक ऐसी सोच दा मौका है जद असी मिल के अपने दृढ़ इरादयाँ नू होर बुलंदी नाल अमल करन दा संकल्प लैदे हाँ । छोटे स्कूली विद्यार्थियाँ दा अते N.S.S. Cadets दा ठडे मौसम विच तड़के सवेरे आ के परेड विच शामिल होना अते रंगारंग कार्यक्रम पेश करना ओदा इक जींदा जागदा सबूत है। स्कूली बच्चयाँ दा यूनीवर्सिटी दे विच आ के Independence Day अते Republic Day Parade दे विच शामिल होन दे एजडे नू अगे लेजान दी जरूरत है। Department of Science and Technology ने सानू ऐस दी इस राह दिती है। अपनी University नू अगले 5 सालाँ वास्ते 5 करोड़ दा अनुदान मिलया है ताकि असी INSPIRE SCHEME दे अनुसार स्कूली विद्यार्थियाँ दे वास्ते विज्ञान दे कैंप लगाईये। ऐसे कैंम्प अमूमन 11वीं क्लास दे बच्चेयाँ दे वास्ते लगाये जादे ने। पर यूनिवर्सिटी वलों सानू छोटियाँ क्लांसा वास्ते वी कुछ करना चाहिदा है। Prime Minister ने आख्या है

कि कालिजां अते यूनिवर्सिटियां नू अपने नजदीक दे सरकारी स्कूलाँ नू adopt करके ओना नू उते लैके आना चाहिदा हे। साडे नजदीक दे स्कूला दे विद्यार्थियाँ दे ऐलावा औना दे टीचरां नू वी यूनिवर्सिटी दियाँ facilities दा लाभ मिलना चाहीं दा है। मैं आस करदा हॉ कि अपनी यूनिवर्सिटी दी younger faculty एह possibility नू परवान करन वास्ते कुछ नवा करेगी।

कुछ मेरे साथी 28 जनवरी तो इक नवां प्रोग्राम शुरू करन जा रहे हन। ऐस initiative दा नां ओनाने PU OPEN Minds रख्या हैं, i.e., Panjab University **Outreach Programme for Enlightenment of Young Minds**. Under this programme, University teachers and scientists from CRIKC institutions will present expository lectures for school students and general public regularly in different institutions in and around Chandigarh. State Council of Education Research and Training is also associated with this venture. I congratulate my colleagues for this thoughtful initiative. I am hopeful that this programme will become as popular as the programme called 'CHAI and Why' started in Mumbai five years ago as a part of Homi Bhabha Birth Centenary Year. I wish it all the success, and it is indeed a laudable step to commemorate this year's Republic Day.

To conclude, I would like to record my appreciation for students and staff of Music Department for their tuneful presentations on the Republic Day and congratulate those employees who are to receive Republic Day honours today.

Thank you all

आप सब हुन मेरे नाल तीन बार बोलो

Jai Hind

Jai Hind

Jai Hind